।। न्यायालय ।।

प्रकरण क्र.: /20

शासन द्वारा पुलिस थाना ---- अभियोगी

विरुद्ध

---- अभियुक्त

निवासी :
मोबाईल:

---- फरियादी

निवासी :
मोबाईल:

प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 320 (2) द. प्र. स.

मान्यवर महोदय,
उपरोक्त प्रकरण मे मुझ फरियादी द्वारा विनम्र निवेदन है की–
1. यह है की उपरोक्त प्रकरण मे आज दिनांक पेशी हेतु नियत है, उपरोक्त प्रकरण मे प्रार्थी फरियादी हुँ ।
2. यह है की मुझ फरियादी और अभियुक्त को आपस में मिलने जुलने वालों ने समझा दिया हैं एवं हम समझ भी गये है तथा अब हमारे मध्य किसी भी प्रकार का कोई विवाद नहीं रहा हैं और भविष्य में होने की सम्भावना भी नहीं हैं और सामाजिक संबंध हमेशा मधुर बने रहेंगे ।
3. यह है की उक्त मेरे द्वारा बिना किसी दवाब के स्वस्थ बुद्धि से माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करना चाहता हु इसके लिए माननीय न्यायालय में मुझ फरियादी से राजीनामे के लिए अनुमति दिया जाना न्याय संगत होगा ।
4. यह है की उक्त राजीनामा मुझ फरियादी द्वारा टाइप करवाकर उसे पढ़ और सुनकर अपनी स्वैच्छा से उस पर अपना फ़ोटो संलग्न कर उस पर अपने हस्ताक्षर किये हैं ।

अतः माननीय न्यायालय से निवेदन है की मुझ फरियादी की ओर से प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार करने की कृपा कर अभियुक्त से राजीनामा करने की अनुमति का आदेश प्रदान करें, यही निवेदन एवं प्रार्थना है ।

दिनांक: . .2022

हस्ताक्षर फरियादी

All Parties are Identified by Counsel Engineer Vijay Singh Yadav, Advocate
Mobile: 89890 01819

।। न्यायालय ।।

प्रकरण क्र.: /20

शासन द्वारा पुलिस थाना ---- अभियोगी

विरुद्ध

---- अभियुक्त

निवासी :
मोबाईल:

---- फरियादी

निवासी :
मोबाईल:

// आपसी राजीनामा मय शपथपत्र //

मान्यवर महोदय,

उपरोक्त प्रकरण मे मुझ फरियादी और अभियुक्त द्वारा विनम्र निवेदन है की–

1. यह है की उपरोक्त प्रकरण मे प्रार्थी फरियादी हुँ ।

2. यह है की मुझ फरियादी और अभियुक्त को आपस में मिलने जुलने वालों ने समझा दिया हैं एवं हम समझ भी गये है तथा अब हमारे मध्य किसी भी प्रकार का कोई विवाद नहीं रहा हैं और भविष्य में होने की सम्भावना भी नहीं हैं और सामाजिक संबंध हमेशा मधुर बने रहेंगे ।

3. यह है की उक्त मेरे द्वारा बिना किसी दवाब के स्वस्थ बुद्धि से माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करना चाहता हु इसके लिए माननीय न्यायालय में मुझ फरियादी से राजीनामे के लिए अनुमति दिया जाना न्याय संगत होगा ।

4. यह है की उक्त राजीनामा मुझ फरियादी द्वारा टाइप करवाकर उसे पढ़ और सुनकर अपनी स्वैच्छा से उस पर अपना फ़ोटो संलग्न कर उस पर अपने हस्ताक्षर किये हैं ।

अतः माननीय न्यायालय से निवेदन है की मुझ फरियादी और अभियुक्त के मध्य प्रस्तुत राजीनामा स्वीकार करने की कृपा कर अभियुक्त के विरुद्ध दर्ज प्रकरण को समाप्त कर अभियुक्त को दोष मुक्त किया जाये , यही निवेदन एवं प्रार्थना है ।

दिनांक: . .2022

हस्ताक्षर अभियुक्त हस्ताक्षर फरियादी

All Parties are Identified by Counsel Engineer Vijay Singh Yadav, Advocate
Mobile: 89890 01819